Form No.III

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी, मुकाम श्रीडूंगरगढ

मालसिंह पुत्र बाघसिंह जाति पुरोहित निवारी भोजारा तहसील श्रीडूंगरगढ जिला बीकानेर

बनाम मोहनी वगै.

राजस्व वाद मुकदमा नम्बर **28/2023** **U/S 88,188, 53 RTA**

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मरा इनीशयल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तारीख में जारी हुए
06.02.2023	आज यह वाद मालसिंह ने जरिये श्री ओमनाथ सिद्ध अधिवक्ता मार्फत पेश किया। वादी को 80(2) सीपीसी के प्रार्थना पत्र पर सुना गया। वाद दर्ज रजिस्टर हो। प्रतिवादीगण को जरिये समन तलब कर पत्रावली आईन्दा दिनांक 19.04.2023 को पेश हों। (हस्ताक्षर) उपखण्ड अधिकारी श्रीडूंगरगढ	
19.4.2023	पत्रावली पेश हुई। वकील वादी उपस्थित। प्रतिवादी नं.02 की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल सोनी उपस्थित होकर वकालतनामा पेश किया जो शामिल पत्रावली किया गया। प्रतिवादी नं.01 के सम्मन पर अन्यत्र निवास की रिपोर्ट तामील कुनिन्दा द्वारा प्रस्तुत की गई है। अतः वादी को निर्देशित किया जाता है कि प्रतिवादी नं.01 के नये पते की तलबी पेश करें। पत्रावली वास्ते इन्तजार तलबी 1, पता 10 व जवाब प्रतिवादी नं. 2 हेतु आईन्दा दिनांक 7.7.2023 को पेश हो। (हस्ताक्षर)	
07.07.2023	आज P.O. साहब राजकार्य हेतु बीकानेर पधारे हैं। पत्रावली पेश हुई। वकील .... वकील फरीकैन उपस्थित। इन्तजार तलबी हेतु समय चाहा। समय दिया जाकर पत्रावली जवाब वास्ते इन्तजार तलबी 1, पता 10 व जवाब प्रतिवादी नं. 2 आईन्दा दिनांक 24.07.2023 को पेश हो। (हस्ताक्षर)	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
24.07.2023	आज P.O. साहब ट्रेनिंग हेतु जयपुर पधारे हुए हैं। ...त्रा पेश हुई। वकील .... वकाल... ...स्थित। इंतजार तलबी. हेतु समय चाहा। समय ...या जाकर पत्रावली वास्ते इंतजार तलबी व जवाब ...न्दा दिनांक 03.08.2023 को पेश हो।
03.8.2023	पत्रावली पेश हुई। उभय पक्षकारान उपस्थित आये है। प्रतिवादी सं.02 की ओर से दिनांक 20.7.2023 को जवाब दावा पेश किया हुआ है। जिसकी एक प्रति वादी अधिवक्ता को दिलवाई गई। मोहननाम सिंह अधिवक्ता द्वारा प्रार्थ वकालतनामा मय प्रार्थना पत्र आदेश 1 नियम 10(2) सि.प्र.सं. मय हिदा [illegible] धारा 151 CPC का पेश किया गया जिसकी एक प्रति वादी अधिवक्ता को दिलवाई गई। पत्रावली वास्ते प्रतिवादीगण सं. 1, 4 ता 10 हेतु पेश होने तलबी Reg AD प्रार्थना पत्र O-1, R-10(2) हेतु आर्गुमेंट व जवाब प्रार्थना पत्र दिनांक 14.8.2023 को पेश हो।
14.8.2023 प्रतिवादी सं.1 मोहनी की तरफ से आगामी पेशी वकालतनामा पेश कर दूंगा Mohan Ad.	पत्रावली पेश हुई। उभय पक्षकारान उपस्थित आये है। प्रार्थी अधिवक्ता द्वारा जवाब प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश-01, नियम 10 CPC का पेश किया गया जिसकी एक प्रति प्रति. अधिवक्ता को दिलवाई गई। प्रतिवादी सं.1 की ओर से अधिवक्ता मोहननाम सिंह द्वारा आगामी पेशी पर वकालतनामा पेश करने का निवेदन किया गया। पत्रावली वास्ते पेश होने वकालतनामा व बहस प्रा. पत्र O-1, R-10 हेतु आइन्दा दिनांक 4.9.2023 को पेश हो।

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही विवरण मय इन्शियल जज	नम्बर व तारीख अहकाम की इस हुक्म की तारीख में जारी हुक्म
04.9.2023	P.O. H.O. आज अन्य राजकार्य में व्यस्त है। पत्रावली पेश हुई। वकील .... वकील फरीकेन उपस्थित। .... हेतु समय चाहा! समय दिया जाकर पत्रावली वास्ते बहस प्रा.पत्र 0-1, R-10 व वकालतनामा.... आईन्दा दिनांक 12.9.2023 को पेश हो।	
12.9.23	P.O. H.O. आज अन्य राजकार्य में व्यस्त है। पत्रावली पेश हुई। वकील .... वकील फरीकेन उपस्थित। .... हेतु समय चाहा! समय दिया जाकर पत्रावली वास्ते बहस प्रा.पत्र 0-1, R-10 व वकालतनामा... आईन्दा दिनांक 18.9.2023 को पेश हो।	
18.9.2023	P.O. H.O. आज अन्य राजकार्य में व्यस्त है। पत्रावली पेश हुई। वकील .... वकील फरीकेन उपस्थित। .... हेतु समय चाहा! समय दिया जाकर पत्रावली वास्ते बहस प्रा.पत्र 0-1, R-10 व वकालतनामा आईन्दा दिनांक 26.09.2023 को पेश हो।	
26.9.2023	P.O. H.O. आज अन्य राजकार्य में व्यस्त थे। पत्रावली पेश हुई। वकील .... वकील फरीकेन उपस्थित। .... हेतु समय चाहा! समय दिया जाकर पत्रावली वास्ते बहस प्रा.पत्र -0-1, R-10 व वकालतनामा आईन्दा दिनांक 09.10.2023 को पेश हो।	
9.10.2023	P.O. श्री. चुनाव कार्य में व्यस्त हैं। पत्रावली पेश हुई। वकील .... वकील फरीकेन उपस्थित। .... हेतु समय चाहा! समय दिया जाकर पत्रावली वास्ते बहस प्रा.पत्र 0-1, R-10 व वकालतनामा आईन्दा दिनांक 16.10.2023 को पेश हो।	
16.10.2023	P.O. H.O. चुनाव कार्य में व्यस्त है। पत्रावली पेश हुई। [illegible] कार्य स्थगित रखा गया है! पत्रावली वास्ते बहस प्रा.पत्र 0-1, R-10 व वकालतनामा आईन्दा दिनांक 30.10.2023 को पेश हो।	
30.10.2023	P.O. सा० चुनाव कार्य में व्यस्त हैं। पत्रावली पेश हुई। वकील .... वकील फरीकेन उपस्थित। .... हेतु समय चाहा! समय दिया जाकर पत्रावली वास्ते बहस प्रा.पत्र 0-1, R-10 व वकालतनामा आईन्दा दिनांक 30.11.2023 को पेश हो।	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही विवरण मय इन्शियल जज	नम्बर व ता[illegible] की इस हुक[illegible] में जा[illegible]
30.11.2023	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उपस्थित। SDO Sb. अन्य राजकार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली वास्ते बहस प्रा. पत्र O-1, R-10 व वकालतनामा 11.12.2023 हेतु दिनांक 11.12.2023 को पेश हों। रीडर	
11.12.2023	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उपस्थित। SDO Sb. अन्य राजकार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली वास्ते बहस प्रा. पत्र O-1, R-10 व वकालतनामा हेतु दिनांक 19.12.2023 को पेश हों। रीडर	
19.12.2023	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उपस्थित। SDO Sb. अन्य राजकार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली वास्ते बहस प्रा. पत्र O-1, R-10 व वकालतनामा हेतु दिनांक 28.12.2023 को पेश हों। रीडर	
28.12.2023	पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उपस्थित। SDO Sb. अन्य राजकार्य में व्यस्त होने के कारण पत्रावली वास्ते बहस प्रा. पत्र O-1, R-10 व वकालतनामा हेतु दिनांक 08.01.2024 को पेश हों। रीडर	
08.01.2024	पत्रावली पेश हुई! आज बार संघ द्वारा कार्य स्थगित रखा गया है! पत्रावली वास्ते बहस प्रा. पत्र O-1, R-10 व वकालतनामा आइन्दा दिनांक 16.01.2024 को पेश हों।	
16.01.2024 Id	पत्रावली पेश हुई। वादी ने जरिये अधिवक्ता प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 23 नियम 3 व धारा 151 CPC का पेश कर निवेदन किया गया कि प्रार्थी का अप्रार्थीगण/प्रतिवादीगण के साथ परिवार व समाज के मौजिज व्यक्तियों की समझाइश से आपसी राजीनामा हो गया है। प्रार्थी/वादी अब उपरान्त [illegible]	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही विवरण मय इन्शियल जज	नम्बर व तारीख अह्काम की इस हुक्म की तारीख में जारी हुक्म
16.01.2024	में लोक अदालत की भावना से राजीनामे के आधार पर अपने दावे को भविष्य पुनः पेश करने के अधिकार को सुरक्षित रखते हुए इसी स्तर पर प्रत्याहरित करना चाहता हूँ। अतः प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर चाहिए। प्रार्थी को लोक अदालत की भावना से राजीनामे के आधार पर अपने दावे को भविष्य में पुनः पेश करने की अनुमति के साथ दावे को आदेश विड्रॉवल के आधार पर इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली बाद तकमील पूर्ति वाजिब नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।	